भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 358

04 फ़रवरी, 2025 को उत्तर के लिए नियत

"एचएमटी कलामस्सेरी इकाई का पुनरुद्धार

358. श्री हैबी ईडन:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

क) क्या वर्ष 2014 और 2023 के बीच कलामस्सेरी इकाई के प्रचालन से प्राप्त लाभ के आंकड़ों ने केंद्र द्वारा उक्त इकाई के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने से संबंधित निर्णय को प्रभावित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या कलामस्सेरी इकाई के लिए कार्यशील पूंजी की कमी को दूर करने के लिए पर्याप्त उपाय किए जाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त विस्तार की मांग के अनुरूप कलामस्सेरी इकाई में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए कोई रूपरेखा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या केंद्र के पास एचएमटी कलामस्सेरी इकाई के प्रचालन का विस्तार करने की कोई विशिष्ट योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या उक्त विस्तार योजनाओं में कलामस्सेरी इकाई में नई विनिर्माण प्रौद्योगिकियां या उत्पाद लाइनें शुरू करना शामिल है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

भारी उद्योग मंत्री

(एच. डी. कुमारस्वामी)

(क) से (च): कलामस्सेरी इकाई एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड की छह विनिर्माण इकाइयों में से एक है, जो एचएमटी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है। एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड के निरंतर घाटे के साथ गिरते कार्य निष्पादन को देखते हुए, इसकी प्रौद्योगिकीय क्षमता और उत्पाद विविधीकरण के उन्नयन की आवश्यकता है। इस समस्या के समाधान के लिए, सरकार ने दिनांक 01.11.2024 के आदेश के तहत, राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्था (नीति आयोग) के सदस्य डॉ. विजय कुमार सारस्वत की अध्यक्षता में एक तकनीकी समिति गठित की है, जिसे एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड के पुनरुद्धार के लिए सिफारिशें और आगे की रणनीति तैयार करने तथा सभी प्रभावी कारकों जैसे उपलब्ध संयंत्र और मशीनरी, जनशक्ति, कारोबारी माहौल, प्रतिस्पर्धी, प्रौद्योगिकी उन्नयन आवश्यकता आदि पर विचार करते हुए एक तकनीकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया है।

*****